

डजिटल जल वितरण प्रणाली

चर्चा में क्यों?

सचिाई जल की आपूर्तकी सुवधि के लयि राजस्थान के **श्रीगंगानगर ज़िले** में कृषकक्षेत्रों के लयि एक अनूठी **डजिटल जल वितरण प्रणाली** शुरू की गई है।

मुख्य बदि:

- **राष्ट्रीय सूचना वजिज्ञान केंद्र (NIC)** जयपुर द्वारा वकिसति नई प्रणाली कसिानों को उनके खेतों तक पहुँचने वाले जल की स्थतिके बारे में जानने में सकषम बनाएगी और मैनयुअल प्रणाली में अकसर रपिॉर्ट की जाने वाली **मानवीय त्रुटकी गुंजाइश को कम करेगी**।
- डजिटल प्लेटफॉर्म ज़िले के सभी कसिानों को **जल की उपलब्धता से संबंधति मुद्दों को हल करने** के लयि गंग नहर और इंदरिा गांधी नहर से जल वितरति करने में **पारदर्शति बढाएगा**।
- **जल संसाधन वभिाग** के अनुसार जल उपयोक्ता संघों के प्रमुख अपने-अपने कषेत्र के कसिानों की जानकारी पोर्टल पर केवल एक बार दर्ज करेंगे। इसके बाद कसिानों को सचिाई बारी की प्रचयिों स्वतः ऑनलाइन मलि जाएंगी।
- ऑनलाइन **'बाराबंदी' (नशिचति बारी)** का वसितार कयिा जा सकता है और राज्य के अन्य ज़िलों में भी कसिानों के लाभ के लयि एक समान जल वितरण प्रणाली के रूप में कारयानवति कयिा जा सकता है।

राष्ट्रीय सूचना वजिज्ञान केंद्र (NIC)

- NIC केंद्र सरकार, राज्य सरकारों तथा केंद्रशासति प्रदेश प्रशासनों को **नेटवरक बैकबोन और ई-गवर्नेंस** सहायता प्रदान करता है।
- NIC **राष्ट्रव्यापी अत्याधुनकि सूचना और संचार प्रौद्योगकिी (ICT) बुनयिादी ढाँचे** की स्थापना के अलावा शासन के वभिनिन पहलुओं में सरकार के साथ नकिटता से जुड़ा हुआ है।
- इसने वभिनिन स्तरों पर सरकार का समर्थन करने के लयि बड़ी संख्या में डजिटल समाधान भी बनाए हैं, जसिसे **नागरकिों को अंतमि छोर तक सरकारी सेवाओं की डिलीवरी एक वास्तवकिता बन गई है**।
- यह **इलेक्ट्रॉनकि्स और सूचना प्रौद्योगकिी मंत्रालय** के तत्वावधान में है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1976 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दलिली में स्थति है।